

२०/१०/२२ - पत्रावली पेश हुई। लकील गवाही ३५०
पत्रावली पूर्वानुसार वास्तु तलबी/जवाब
दिनांक २०/१०/२२ को पेश हो।

०७/१०/२२ - पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता सच द्वारा
उपडोलेस/कार का अविष्कार करने पर
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक १३/१०/२२ पेश हुई।

१३/१०/२२ - पत्रावली पेश हुई। लकील गवाही ३५०
पत्रावली पूर्वानुसार वास्तु तलबी/जवाब
दिनांक २०/१०/२२ को पेश हो।

२०/१०/२२ - पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता सच द्वारा
उपडोलेस/कार का अविष्कार करने पर
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक ०५/११/२२ पेश हुई।

०५/११/२२ - पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता सच द्वारा
उपडोलेस/कार का अविष्कार करने पर
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक १०/११/२२ पेश हुई।

१०/११/२२ - पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता सच द्वारा
उपडोलेस/कार का अविष्कार करने पर
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक १८/११/२२ पेश हुई।

१८/११/२२ - पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता सच द्वारा
उपडोलेस/कार का अविष्कार करने पर
पत्रावली पूर्वानुसार दिनांक १७/०१/२३ पेश हुई।


१७/०१/२३
पत्रावली पेश हुई। लकील गवाही ३५०।
अज्ञाती १०। अज्ञाती इनको वाट-वाट
आवाज लगावाई गई। तबका इन्तपाट
किया गया। लेकिन अज्ञाती १०।
ताबपूड रचना है अज्ञाती १०।

फर्द अहकाम

दीरादेवी बनाम मन्नी देवी वगैरे

उपखण्ड अधिकारी जमशारामगढ़, जलपुत्र

2/2022

आज्ञा या र्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
	<p>अतः आशुषी नं. 1 बालपुत्र (सूचना) के आरंभ होने पर इनके विरुद्ध एक अर्थात् कार्यवाही अर्थात् नं. 128 की जाहीदी। वकील आशुषी की बहाना इनकी बहाना जाहीदी की बहाना इनके व पीलेकर नकार की बहाना मुनव पर तथा पत्रावली का अलपत्रिकत कर पर आशुषी का प्र. पत्र अर्थात् धा. 128 एल. आर. एम्. की स्वीकार किया जा रहा है। विस्तृत निर्णय प्रत्येक से लिखित जाकर शांति जिनके किस्म जा रहा है पत्रावली केवल मुद्रा केवल जाकर कि कर है तथा वाड प्रती होकर दाखिल कर रहे है।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी जमशारामगढ़ </p>	